राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर
अनुसंधान गतिविधियॉ एवं उपलब्धियॉ (माह अप्रैल-जुलाई 2022)

1) राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर की अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर की अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 13/05/2022 को अमिया कुमार दत्ता, मंत्रणा कक्ष, सतपुडा भवन, भोपाल में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, म.प्र. की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में समिति के वरिष्ठ वन अधिकारी, वैज्ञानिक एवं अन्य हितग्राहियों ने ऑनलाईन तथा उपस्थित होकर भाग लिया। बैठक में संस्थान के संचालक, श्री अमिताभ अग्निहोत्री ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बैठक से संबंधित एजेण्डा के बारे में अवगत कराया। इसके पश्चात प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान के वैज्ञानिकों एवं वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित नवीन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परियोजनाओं को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं पर विचार-विर्मश एवं चर्चा उपरांत परियोजनाओं के संचालन के संबंध में दिशा-निर्देश देते हुए कुल 25 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

संस्थान के अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक

2) रूट ट्रेनर पद्धति से पौधों की तैयारी एवं रोपण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में माह अप्रैल, मई एवं जून, 2022 में म.प्र. के 63 वनमण्डल एवं 11 सामाजिक वानिकी वृत्तों के क्षेत्रीय अमले को रूट ट्रेनर पद्धति से पौधों की तैयारी एवं रोपण हेतु दो दिवसीय 11 आवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें 297 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में रूट ट्रेनर्स में पौध की तैयारी हेतु बीज का महत्व, मृदा के पोषक तत्व, पोटिंग मिक्चर की तैयारी, रूट ट्रेनर नर्सरी हेतु अधोसंरचना की आवश्यकता, नर्सरी प्रबंधन, रूट ट्रेनर का नर्सरी से रोपण स्थल तक परिवहन की तकनीक एवं रूट ट्रेनर से पौधों का क्षेत्र में रोपण की प्रायोगिक प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण की जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी एवं सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने रिसोर्स पर्सन की भूमिका निभाई। प्रशिक्षण उपरांत समस्त प्रशिक्षर्णियों से फीडबैक लिया गया तथा प्रशिक्षण में भाग लेने का प्रमाण पत्र वितरित किये गये। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के संचालक, श्री अमिताभ अग्निहोत्री, उप संचालक, श्री रविन्द्र मणि त्रिपाठी, सहायक संचालक, श्री अमित कुमार सिंह एवं डॉ. अर्चना शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित रहकर प्रशिक्षणार्थीओं को प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

3) राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में कार्यशाला का आयोजन

म.प्र. वन विभाग एवं राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में म.प्र. में वानिकी अनुसंधान के पूर्ण होने जा रहे 100 वर्षों के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यशाला ''**Rehabilitation of Degraded Forest Ecosystems in Madhya Pradesh: Emerging Scenario & Way Forward**'' का आयोजन दिनांक 09 एवं 10 जून 2022 को होटल कल्चुरी, जबलपुर में आयोजित किया गया। कार्यशाला के आरंभ में श्री अमिताभ अग्निहोत्री, संचालक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

इस कार्यशाला में निम्नलिखित विषयों पर मंथन किया गया तथा कार्यशाला के प्रतिभागियों द्वारा दिये गये सुझावों एवं निष्कर्षों को भविष्य की नीतियों में समावेश करने हेतु वरिष्ठ वन अधिकारियों द्वारा अनुशंसा की गई।

1. Identification and Classification of degraded Forests
2. Assessment of impact of degraded forest rehabilitation activities
3. Degraded Forests Treatment Strategy
4. Microplanning

कार्यशाला में वरिष्ठ वन अधिकारियों तथा वैज्ञानिकों द्वारा बिगड़े वन क्षेत्रों में उस क्षेत्र की ईकोलॉजिकल हिस्ट्री के आधार पर ईकोलॉजिकल रेस्टोरेसन किये जाने, बिगड़े वनक्षेत्रों की माइक्रोप्लॉनिंग में संयुक्त वन प्रबंधन की सहभागिता को अनिवार्यतः लागू करने, वनों पर निर्भर आर्थिक रूप से कमजोर विशेष कर महिलाओं को चिहिन्त कर उनकी सहभागिता को निश्चित करते हुए माइक्रोप्लॉन तैयार करने, माइक्रोप्लॉन बनाने हेतु क्षेत्रीय वन अमले को प्रशिक्षित किये जाने, फॉरेस्ट लैण्डस्केप लेबल ईकोलॉजिकल रेस्टोरेसन के क्रियान्वयन में वनक्षेत्रों के समीप विभिन्न मानवीय कारकों को संतुलित करने की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला गया।

कार्यशाला में श्री रमेश कुमार गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, म.प्र., डॉ. अभय कुमार पाटिल, प्रबंध संचालक, म.प्र. राज्य वन विकास निगम, भोपाल, डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, कार्यआयोजना म.प्र., श्री चितरंजन त्यागी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, विकास, म.प्र., श्री रमेश कुमार श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी (कैम्पा), श्री पुष्कर सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ, भोपाल, डॉ. राजेश्वर राव, निदेशक, टी.एफ.आर.आई., जबलपुर, डॉ. पी. के. शुक्ला, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सेवानिवृत्त), श्री के. रमन, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सेवानिवृत्त), डॉ. फैयाज ए. खुदसर, जैव विविधता विशेषज्ञ, दिल्ली विश्वविद्यालय, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के संचालक, श्री अमिताभ अग्निहोत्री, उप संचालक, श्री रविन्द्र मणि त्रिपाठी, सहायक संचालक, श्री अमित कुमार सिंह एवं संस्थान के वैज्ञानिक एवं वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी उपस्थित रहे।

होटल कल्चुरी जबलपुर में संस्थान द्वारा बिगड़े वनों के पुर्नवास हेतु
कार्यशाला का आयोजन

4). राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के स्थापना दिवस पर पौधा वितरण कार्यक्रम

दिनांक 27 जून, 2022 को संस्थान के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्थापना दिवस पर संस्थान स्थित क्षेत्रीय सह सुविधा केन्द्र, मध्यक्षेत्र, (RCFC-Central Region) आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, नई दिल्ली के सौजन्य से संस्थान परिसर में प्रातः भ्रमण करने वाले आमजन एवं संस्थान के समीप रहवासियों को 270 औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया।

राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर के स्थापना दिवस पर पौध वितरण

5) राज्य वन अनुसंधान संस्थान परिसर में बांस प्रजाति बंबुसा टुल्डा का प्रार्दश भूखण्ड की स्थापना

राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में बांस प्रजाति बंबुसा टुल्डा के प्रदर्शन भूखंड की स्थापना प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, म.प्र. राज्य बांस मिशन, भोपाल द्वारा प्रयोजित परियोजना के अंतर्गत जुलाई 2022 में संस्थान परिसर में 2.0 हेक्टेयर क्षेत्र में 800 पौधे लगाकर किये गए। वर्षा वन अनुसंधान संस्थान (आरएफआरआई), जोरहाट, असम से बी.टुल्डा के प्रमाणित पौधे प्राप्त किए गए थे।

बांस के वृक्षारोपण में संस्थान के संचालक श्री अमिताभ अग्निहोत्री, उप संचालक, श्री रविन्द्र मणि त्रिपाठी एवं संस्थान के समस्त अमला द्वारा भाग लिया गया। इस प्रार्दश भूखण्ड को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य म.प्र. में बांस की इस प्रजाति के इस कृषि जलवायु क्षेत्र में विकास का प्रदर्शन, निगरानी एवं विभिन्न हितग्राहियों को इसकी व्यावसायिक खेती के लिए प्रोत्साहित करना है। बांस की यह प्रजाति मुख्य रूप से पेपर पल्प उद्योग में उपयोग किया जाता है और ठोस कल्म्स का उपयोग फर्नीचर और बोर्ड आदि बनाने के लिए किया जाता है।

संस्थान परिसर में बांस प्रजाति बंबुसा टुल्डा का प्रार्दश भूखण्ड की स्थापना

6) राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में संकटाग्रस्त प्रजातियों का संरक्षण

राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर की औषधीय पौध नर्सरी में वनों मे तेजी से दुर्लभ प्रजातियों की संख्या कम होने के कारण संस्थान की नर्सरी में इन प्रजातियों का संरक्षण एवं पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए एक लाख पौधों की तैयारी की जा रही है, इनमें संकटाग्रस्त, दुर्लभ तथा औषधीय महत्व की प्रजातियाँ सम्मिलित हैं। तैयार की जा रही प्रजातियों में श्योनाक, पाढ़र, दहिमन, दारूहल्दी, बीजा, कल्ला, सलई, कुल्लू, करकट, अंजन, पीला सेम्हल, सोनपाठा, गरूड़ वृक्ष, बीजा, गदहा पलाश, लोध्र वृक्ष, चिरौंजी, तमोली, हडुआ, धनकट, धवा आदि सम्मिलित हैं।

राज्य वन अनुसंधान संस्थानए जबलपुर का औषधीय पौध नर्सरी में तैयार किये जा रहे संकटाग्रस्त तथा दुर्लभ पौध

7) राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर स्थित क्षेत्रीय सह सुविधा केन्द्र, मध्यक्षेत्र की गतिविधियाँ

(अ) औषधीय पौधों का वितरण एवं सम्मेलनों में भागीदारी:-

अहमदाबाद, वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन 2022 में दिनांक 20-22 अप्रैल 2022 महात्मा मंदिर, गांधीनगर, गुजरात में डॉ सुशील कुमार उपाध्याय, उप संचालक एवं श्री पंकज सैनी, परियोजना सहायक द्वारा भाग लिया गया। इस अवसर पर औषधीय पौधे के ब्रोशर वितरण तथा क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में सक्रिय रूप से आम लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया गया।

उज्जैन में दिनांक 26-30 मई 2022 को अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन एवं 59वां महा अधिवेशन में भाग लेते हुए केन्द्र के श्री दिनेश कुमार कुलदीप, श्री पंकज सैनी एवं श्री प्रदीप कुमार कोरी द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव, आयुष आपके द्वार योजना के तहत निःशुल्क औषधीय पौधे और इससे संबंधित ब्रोशर वितरण किया गया।

राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में हर्बल गार्डन योजना के अंतर्गत 325 औषधीय पौधों का स्कूल, कॉलेजों, अस्पतालों और खेल परिसरों को निःशुल्क औषधीय पौधों का वितरण किया गया। साथ ही आयुष आपके द्वार योजना के अंतर्गत 8650 औषधीय पौधों का वितरण मध्य प्रदेश के कटनी, सिवनी छिंदवाड़ा जिलों और छत्तीसगढ़ के कोरबा जिलों में आजादी का अमृत महोत्सव, के तहत किसानों को निःशुल्क औषधीय पौधे वितरण किया गया।

(ब) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजना: -

(1) दिनांक 26/07/2022 को आयुष आपकी खेती योजना के तहत छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में औषधीय पौध सतावर की खेती तथा संरक्षण, संवर्धन, विनाश विहीन विदोहन एवं विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

(2) दिनांक 03/08/2022 को आयुष आपकी खेती एवं आयुष आपके द्वार योजनान्तर्गत मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में वन परिक्षेत्र अधिकारी, संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं कृषकों को औषधीय प्रजाति अश्वगंधा की खेती एवं विपणन तथा औषधीय पौधों का संरक्षण संवर्धन, संवहनीय विदोहन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 120 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, श्री के. के. भारद्वाज, वनमण्डलाधिकारी, श्री ईश्वर जिरान्डे एवं उपवनमण्डलाधिकारी श्री भारत सोलंकी भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. सुशील कुमार उपाध्याय, उप संचालक, क्षेत्रीय सह सुविधा केन्द्र मध्यक्षेत्र, जबलपुर, डॉ. राहुल डोंगरे, सहायक प्राध्यापक, जवाहरलाल कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, श्री दिनेश कुमार कुलदीप, श्री आलोक रैकवार एवं श्री श्यामल राव ने रिसोर्स पर्सन की भूमिका निभाई।

8) राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में प्रशिक्षणार्थियों का अध्ययन प्रवास

राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में उत्तराखण्ड फॉरेस्ट ट्रेनिंग अकादमी, हल्दवानी, अमरकंटक फॉरेस्ट ट्रेनिंग स्कूल, म.प्र., जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं ओ.एफ.आई.एल., खमरिया, जबलपुर एम्यूनेशन इंडिया लिमिटेड के विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों को उनके अध्ययन प्रवास के दौरान संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों से अवगत कराया गया। उनके द्वारा संस्थान के संग्रहालय, औषधीय पौध की नर्सरी, बीज एकत्रीकरण, प्रसंस्करण एवं भण्डारण की तकनीक तथा बीज प्रमाणीकरण, मृदा परीक्षण, वन्यप्राणी, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन, लाख की खेती एवं वन मापिकी से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। उनके द्वारा संस्थान द्वारा प्रकाशित विभिन्न अभिलेखों का भी अवलोकन किया गया।

राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में विभिन्न संस्थानों से आये प्रशिक्षणार्थियों का अध्ययन प्रवास

9) राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में विश्व बाघ दिवस का आयोजन

राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में विश्व बाघ दिवस का आयोजन के. पी. सगरैया, सभागृह में 29 जुलाई, 2022 को किया गया। कार्यक्रम का प्रायोजन रोटरी क्लब जबलपुर एक्सीलेंस द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के कर्मचारियों के साथ रोटरी क्लब के अधिकारियों और अन्य रोटेरियनों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में संस्थान की अनुसंधान गतिविधियाँ एवं विश्व बाघ दिवस तथा भारत में बाघ के संरक्षण के प्रयासों का संक्षिप्त विवरण दिया गया। बाघ के संरक्षण एवं उनके आवास के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में उपस्थित वन अधिकारियों द्वारा अपने अनुभव और विचार साझा किए। इस अवसर पर श्री अमिताभ अग्निहोत्री, संचालक, श्री रविन्द्र मणि त्रिपाठी, उपसंचालक, श्री अमित कुमार सिंह, सहायक संचालक, डॉ अनिरुद्ध मजूमदार, वैज्ञानिक, डॉ. मयंक मकरंद वर्मा, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर, श्री मयंक सिंह ठाकुर, अध्यक्ष, रोटरी क्लब, जबलपुर एक्सीलेंस ने अपना उद्बोधन दिया।

राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में विश्व बाघ दिवस का आयोजन